GOVT. DR. W.W. PATANKAR GIRLS' P.G. COLLEGE, DURG (C.G.)
(Old Name: Govt. Girls PG College, Durg) Pincode-491001, Ph No. 2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

INSTITUTIONAL DISTINCTIVENESS DUE TO TEACHERS

The Sai Shrishti Jankalyan Sansthan (SSJS), Durg C.G. is a NGO (Registration No. 27253) practising philanthropy towards impoverished patients' care, relatives of impoverished patients, Divyangjans, lonely elderly care and destitute care. The Durg District Govt. Hospital has a tie-up with SSJS and houses the head office of SSJS in its premises. At present, *SSJS on daily basis provide absolutely free of cost three times meals to about 330 needy persons in Durg and Rajnandgaon districts.* SSJS not only provides onsite food to needy persons but also facilitate tiffin supply to lonely elderly persons in their respective residences.

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls' PG College, Durg C.G. is in collaboration with SSJS since its inception on 13th July 2013. Colleges' eight senior teaching staff members namely, Dr. DC Agrawal (Prof. & Head, Dept. of Economics), Dr. Amita Sehgal (Prof. & Head, Dept. of Home Science), Dr. Aarti Gupta (Prof. & Head, Dept. of Chemistry), Dr. Richa Thakur (Prof. & Head, Dept. of Dance), Dr. Sadhna Parekh (Asst. Prof. & Head, Dept. of English), Dr. Anuja Chauhan (Asst. Prof. & Head, Dept. of Maths), Dr. Yesheshwari Dhruv (Asst. Prof. & Head, Dept. of Hindi), Dr. Shashi Kashyap (Asst. Prof., Dept. of Commerce) are active members of SSJS since 2013-14 and extensively participate and contribute towards providing financial, material and physical help magnanimously to SSJS.

The philanthropic efforts of Colleges' Teaching Staff in association with SSJS towards service to mankind are much laudable and hence qualify as Institutional Distinctiveness as per Colleges' belief.

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College DURG

Dr. Sushil Chandra Tiwari
Principal
PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

सांई सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242 पंजीयन क्र. 27253

परोपकार से सरोकार

LETTER OF APPRECIATION

With the blessings of Shri Shirdi Sai Baba, the management of Sai Shrishti Jankalyan Sansthan is greatly pleased to acknowledge the philanthropy of Govt. Dr. W. W. Patankar Girls' PG College, Durg, Chhattisgarh. The management of Sai Shrishti Jankalyan Sansthan gratefully acknowledges the Teaching Staff of Govt. Dr. W. W. Patankar Girls' PG College for their regular generous contributions made to us since past five years. The charity extended by these gentle souls in cash and kind has tremendously helped Sai Shrishti Jankalyan Sansthan in its motto of providing continuous impartial service towards deprived patients' family care, elderly care, Divyangjan care and destitute care. The patronage for humanity of Govt. Dr. W. W. Patankar Girls' PG College and its Teaching Staff is much appreciated.

Blessings of Shri Shirdi Sai Baba shall be showered endlessly.

PRESIDENT
Sai Shrishti Jankalyan Sansthan
Govt. District Hospital Campus
Durg – 491001, Chhattisgarh

Sai Shrishti Jankalyan Sansthan is a non-profit charity organization involved in free of cost care and feeding of deprived patients' family, elderly, Divyangjan and destitute. At present, Sai Shrishti Jankalyan Sansthan provides free of cost food and clothing to nearly 350 impoverished people in Durg and Rajnandgaon districts of Chhattisgarh.

प्रधान कार्यालय – 263, ढिल्लन कॉम्पलेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
Email : saisrishti12@gmail.com
संपर्क : श्री सांई महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)

सांई सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242 पंजीयन क्र. 27253

परोपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ0 डी0 सी0 अग्रवाल, प्राध्यापक

शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्ना0 महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

// ऊं सांई राम //

शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सद्गुरू सांईनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिऐगा।

आपकी उदारता से श्री सांई महाप्रसादालय, भोजन–सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरूषार्थ कर रहा है।

आपका तन–मन–धन सद्गुरू सांईनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव–मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्जवल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना.....!

दिनांक : 02/11/2013

(मुकेश तिवारी)
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय – 263, ढिल्लन कॉम्पलेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला–दुर्ग (छ.ग.)

Email : saisrishti12@gmail.com

संपर्क : श्री सांई महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)

सांई सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई–दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242 पंजीयन क्र. 27253

परोपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ0 अमिता सहगल, प्राध्यापक

शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्ना0 महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

// ऊं सांई राम //

शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सद्गुरू सांईनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिऐगा।

आपकी उदारता से श्री सांई महाप्रसादालय, भोजन–सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरूषार्थ कर रहा है।

आपका तन–मन–धन सद्गुरू सांईनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव–मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्जवल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना........!

दिनांक 02/02/2014

(मुकेश तिवारी)
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय – 263, ढिल्लन कॉम्पलेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला–दुर्ग (छ.ग.)

Email : saisrishti12@gmail.com

संपर्क : श्री सांई महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)

सांई सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242

पंजीयन क्र. 27253

परोपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ0 आरती गुप्ता, प्राध्यापक

शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्ना0 महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

// ऊं सांई राम //

शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सद्गुरू सांईनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिऐगा।

आपकी उदारता से श्री सांई महाप्रसादालय, भोजन–सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरूषार्थ कर रहा है।

आपका तन–मन–धन सद्गुरू सांईनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव–मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्जवल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना.....!

दिनांक : 05/06/2014

(मुकेश तिवारी)
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय – 263, ढिल्लन कॉम्पलेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

Email : saisrishti12@gmail.com

संपर्क : श्री सांई महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)

सांई सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई–दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242

पंजीयन क्र. 27253

परोपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ0 अनुजा चौहान, सहा0 प्राध्यापक
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्ना0 महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

// ॐ सांई राम //

शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सद्‌गुरू सांईनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिऐगा।

आपकी उदारता से श्री सांई महाप्रसादालय, भोजन–सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरूषार्थ कर रहा है।

आपका तन–मन–धन सद्‌गुरू सांईनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव–मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्जवल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना........!

दिनांक :13/12/2014

(मुकेश तिवारी)
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय – 263, ढिल्लन कॉम्पलेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला–दुर्ग (छ.ग.)
Email : saisrishti12@gmail.com
संपर्क : श्री सांई महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)

सांई सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242 पंजीयन क्र. 27253

परोपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ0 ऋचा ठाकुर, प्राध्यापक

शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्ना0 महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

// ॐ सांई राम //

शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सद्गुरू सांईनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिऐगा।

आपकी उदारता से श्री सांई महाप्रसादालय, भोजन–सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरूषार्थ कर रहा है।

आपका तन–मन–धन सद्गुरू सांईनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव–मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्जवल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना.....!

दिनांक : 03/06/2018

(मुकेश तिवारी)
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय – 263, ढिल्लन कॉम्पलेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला–दुर्ग (छ.ग.)

Email : saisrishti12@gmail.com

संपर्क : श्री सांई महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)

सांई सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242 पंजीयन क्र. 27253

परोपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ० साधना पारेख, सहा० प्राध्यापक
शास० डॉ० वा० वा० पाटणकर कन्या स्ना० महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

// ऊं सांई राम //

शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सद्‌गुरू सांईनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिऐगा।

आपकी उदारता से श्री सांई महाप्रसादालय, भोजन-सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरूषार्थ कर रहा है।

आपका तन-मन-धन सद्‌गुरू सांईनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव-मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्जवल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना........!

दिनांक : 12/05/2015

(मुकेश तिवारी)
अध्यक्ष

सांई सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई–दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242 पंजीयन क्र. 27253

परोपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ0 यशेश्वरी ध्रुव, सहा0 प्राध्यापक
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्ना0 महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

// ऊं सांई राम //

शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सद्गुरू सांईनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिऐगा।

आपकी उदारता से श्री सांई महाप्रसादालय, भोजन–सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरूषार्थ कर रहा है।

आपका तन–मन–धन सद्गुरू सांईनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव–मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्जवल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना........!

दिनांक 20/09/2014

(मुकेश तिवारी)
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय – 263, ढिल्लन कॉम्पलेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला–दुर्ग (छ.ग.)
Email : saisrishti12@gmail.com
संपर्क : श्री सांई महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)

सांई सृष्टि जनकल्याण संस्थान

भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मो. 9827464242 पंजीयन क्र. 27253

परोपकार से सरोकार

प्रशस्ति - पत्र

डॉ0 शशि कश्यप, सहा0 प्राध्यापक

शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्ना0 महाविद्यालय, दुर्ग

प्रिय आत्मन,

// ॐ सांई राम //

शुभेच्छा है कि आप बाबा के अतिस्नेही, उदारमना बच्चों के लिए सद्गुरू सांईनाथ आज उपहारों का पिटारा खोल रहे हैं, सो आप स्वीकार कीजिऐगा।

आपकी उदारता से श्री सांई महाप्रसादालय, भोजन–सेवा की निरंतरता और प्रगति के लिए निष्काम भाव से पुरूषार्थ कर रहा है।

आपका तन–मन–धन सद्गुरू सांईनाथ के श्रीचरणों में समर्पित है। आपका सहयोग मानव–मात्र के लिए प्रेरणादायी है। आपने अपना जीवन धन्य किया है।

उज्जवल भविष्य एवं परिवारजनों की सकुशलता की शुभकामना.....!

दिनांक :23/06/2016

(मुकेश तिवारी)
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय – 263, ढिल्लन कॉम्पलेक्स, प्रथम तल, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

Email : saisrishti12@gmail.com

संपर्क : श्री सांई महाप्रसादालय, जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग (छ.ग.)

moments. "Easter is the day when Christians.

SSJS providing free meals in Distt Hospital since '13

■ Staff Reporter
DURG, Apr 14

SAI Srishti Jankalyan Sanstha (SSJS) has been providing free meals to people visiting the Government district hospital from Durg and its adjoining villages since the year 2013.

Free meals have been served to over 3 lakh people so far and the Sai Srishti Jankalyan Sanstha, apart from providing free meals, is also providing breakfast and *Sai Sudha* (tea) to the relatives of the patients admitted in the Government district hospital.

Samiti members providing free meals in district hospital.

Chief Founder members of SSJS, Mukesh Tiwari informed that after witnessing people cooking on 'Chulha' in the hospital premises, he thought of starting the organisation. He recounts that when he started the facility, initially merely five people were served free meals. He said that with the grace of Sai Baba, he has been able to work for welfare of people. He specially mentioned that another Sai Devotee, professor DC Agrawal has also contributed significantly in the entire process.

सेवा को समर्पित है श्री साईं महाप्रसादालय संस्थान

6 साल से करा रहे अस्पताल आने वाले गरीबों को निःशुल्क भोजन

[illegible] दुर्ग

जिला अस्पताल दुर्ग परिसर में संचालित साईंभूमि जनकल्याण संस्थान अब समाजसेवा का पर्याय बन चुका है। विगत 6 वर्षों में इस संस्था ने अस्पताल आने वाले हजारों

- निःशक्त व जरूरतमंद लोगों के लिए साईं रथ की व्यवस्था

लोगों को निःशुल्क भोजन कराया है। इसके साथ ही संस्था द्वारा गरीब मरीजों व उनके साथ आए परिजनों के लिए कई तरह के जनकल्याणकारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। खास बात यह है कि इस संस्था के कार्य को देखते हुए शहर के प्रबुद्धवर्ग बड़ी संख्या में लोग अब जुड़ते जा रहे हैं, जो हर तरह से जरूरतमंदों की सेवा करने हाथ बढ़ा रहे है।

उल्लेखनीय है कि 19 जुलाई 2013 को साईं बाबा के जन्मदिन पर जिला चिकित्सालय परिसर दुर्ग में श्री साईं भूमि जन कल्याण संस्थान ने सीमित साधनों एवं सीमित संसाधनों से एक छोटे रूप में प्रसादालय का प्रारंभ किया। मानव सेवा के उद्देश्य के लिए जब पहला चूल्हा साईं बाबा के नाम से जला तब केवल 5 लोगों ने भोजन किया था। प्रसादालय के प्रमुख संस्थापक मुकेश तिवारी ने बताया कि यह प्रसादालय जिला चिकित्सालय में गांवों से आने वाले गरीब मरीजों के परिजनों को दोनों समय निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के साथ प्रारंभ हुआ। 6 वर्षों के सफर में लगभग 3 लाख लोग अब तक निःशुल्क भोजन ग्रहण कर चुके है। बिना एक भी दिन विराम के यह

प्रसादालय वर्तमान में रोज 100 से अधिक परिजनों को दोनों समय का सात्विक भोजन एवं प्रतिदिन नाश्ता तथा साईं सुधा सात्विक पेय उपलब्ध करा रहा है। यह संस्थान अपनी सेवाओं के विस्तार के लिए हमेशा प्रयासरत रहा है। दुर्ग के समीप राजनांदगांव जिले में भी निर्बाध रूप पिछले 500 दिनों से यह सेवा बिना किसी स्थानीय सहायता के दी जा रही है। इतना ही नहीं विगत 1 वर्ष से एक समाजसेवी द्वारा प्रदत्त साईं रथ के माध्यम से शहर में निराश्रित एवं जरूरतमंदों को उनके स्थान स्थान पर जाकर भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। श्री मुकेश तिवारी ने संस्थान की वित्तीय व्यवस्था के बारे में बताया कि सब कुछ बाबा की कृपा से होता है, किन्तु प्रोफेसर डीसी अग्रवाल ने संस्थान के वित्तीय प्रबंध को संभालने एवं सुदृढ़ करने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। पिछले लगातार 5 वर्षों से प्रोफेसर अग्रवाल [illegible] जरूरतमंदों के [illegible] के लिए संस्थान से जुड़े है। [illegible] अपना [illegible] देते है, [illegible] अपने [illegible] रिश्तेदारों, मित्रों, [illegible] के [illegible], अपने मोहल्ले के [illegible], [illegible] [illegible] कई समाजसेवियों को इस संस्थान के आर्थिक सहयोग के लिए प्रोत्साहित करते है। जिससे संस्थान को आर्थिक मदद लगातार प्राप्त हो रही है। प्रोफेसर डीसी अग्रवाल ने इस संस्थान से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि ऐसे सेवा कार्यों के लिए अनेक सहारों की जरूरत होती है। खुशी होती है जब कोई स्थानी [illegible] निःशुल्क [illegible], कोई [illegible] [illegible] कोई समाज सेवी संस्थान के बिजली का बिल तो कोई [illegible], राशन, तेल आदि सामान देकर हमारी मदद करते है।

भविष्य की योजनाएं

- [illegible] निःशुल्क [illegible]
- [illegible]
- [illegible] के लिए निःशुल्क [illegible]
- दुर्ग जिले में [illegible] निःशुल्क [illegible]
- [illegible] जिले के [illegible] साईं महाप्रसादालय की स्थापना।
- प्रोफेसर अग्रवाल [illegible]

सेवा को समर्पित संस्थान : श्री साँई महाप्रसादालय

परोपकार से सरोकार : सांई सृष्टि जनकल्याण संस्थान

18 जुलाई 2013 को सांई बाबा के जन्मदिन पर जिला चिकित्सालय परिसर दुर्ग में श्री सांई सृष्टि जन कल्याण संस्थान ने सीमित हाथों एवं सीमित संसाधनों से एक छोटे रुप में प्रसादालय का प्रारंभ किया। मानव सेवा के उद्देश्य के लिए जब पहला चूल्हा साँई बाबा के नाम से जला तब केवल 5 लोगों ने भोजन किया था।

प्रसादालय के प्रमुख संस्थापक मुकेश तिवारी ने बताया कि यह प्रसादालय जिला चिकित्सालय में गांवों से आने वाले गरीब मरीजों के परिजनों को दोनों समय नि:शुल्क भोजन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के साथ प्रारंभ हुआ। 6 वर्षों के सफर में लगभग 3 लाख लोग अबतक नि:शुल्क भोजन ग्रहण कर चुके है, बिना एक भी दिन विराम के यह प्रसादालय वर्तमान में रोज 100 से अधिक परिजनों को दोनों समय का सात्विक भोजन एवं प्रतिदिन नास्ता तथा साँई सुधा (सात्विक चाय) उपलब्ध करा रहा है।

जिला अस्पताल दुर्ग में भर्ती मरीज के गरीब परिजनों की एक अहम जरुरत भोजन की व्यवस्था का संकल्प मुकेश तिवारी के मनोमस्तिस्क में तब आया, जब उन्होंने 6 वर्ष पहले यहाँ लोगों को ईंटो के चूल्हे बनाकर लकड़ी के धुंए से जूझते हुए रुखा सुखा भोजन बनाते हुए देखा। वह दिन है और आज का दिन है, जब इस परिसर में अब केवल एक ही चूल्हा जलता है और वो भी साँई बाबा का।

यह संस्थान अपनी सेवाएँ के विस्तार के लिए हमेशा प्रयासरत रहा है। दुर्ग के समीप राजनांदगांव जिले में भी निर्बाध रुप पिछले 500 दिनों से यह सेवा बिना किसी स्थानीय सहायता के दी जा रही है। इतना ही नहीं विगत 1 वर्ष से एक समाजसेवी द्वारा प्रदत्त साँई रथ के माध्यम से शहर में नि:शुल्क एवं जरुरतमंदों को उनके स्थान पर जाकर भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुकेश तिवारी ने संस्थान की वित्तीय व्यवस्था के बारे में बताया कि सबकुछ बाबा की कृपा से होता है, किन्तु बाबा के प्रिय भक्त प्रोफेसर डी.सी. अग्रवाल ने संस्थान के वित्तीय प्रबंध को संभालने एवं सुदृढ़ करने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है।

पिछले लगातार 5 वर्षों से प्रोफेसर अग्रवाल अपने तन मन धन से जरुरतमंदों के सहयोग के लिए संस्थान से जुड़े है, वो न केवल अपना सहयोग देते हैं, बल्कि अपने नजदीकी रिश्तेदारों, मित्रों, कॉलेज के प्राध्यापकों, अपने मोहल्ले के नागरिकों, दुर्ग अग्रवाल समाज एवं कई समाजसेवियों को इस संस्थान के आर्थिक सहयोग के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जिससे संस्थान को आर्थिक मदद लगातार प्राप्त हो रही है।

प्रोफेसर डी.सी. अग्रवाल ने इस संस्थान से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि ऐसे सेवा कार्यो के लिए अनेक सहारों की जरुरत होती है। खुशी होती है जब कोई सब्जी विक्रेता नि:शुल्क सब्जियां, कोई गैस सिलेंडर, कोई समाज सेवी संस्थान के बिजली का बिल, तो कोई चावल, दाल, तेल आदि खाद्यान्न देकर हमारी मदद करते हैं।

इस संस्थान की चर्चा अंचल के गांवों में न केवल स्वादिष्ट एवं

सात्विक भोजन प्रदान करने जैसे पुनीत काम के लिए होती है, बल्कि खाद्यान्न की बर्बादी रोकने में संस्थान के प्रयासों की चर्चा एवं भूरी भूरी प्रशंसा होती है, इस प्रसादालय में भोजन झूठा छोड़ने वाले और नशा करने वालों का प्रवेश पूर्णत: प्रतिबंधित है।

प्रोफेसर अग्रवाल ने इस संस्थान द्वारा भविष्य में किये जाने वाले सेवा कार्यो की योजना से अवगत कराया जिसमें :-

1. जरुरतमंद वृद्धजनों के घरों तक नि:शुल्क टिफिन पहुंचाना।
2. कुपोषित गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को पौष्टिक आहार देना।
3. मरीजों के लिए नि:शुल्क एम्बुलेंस की व्यवस्था करना।
4. दुर्ग जिले में सेना एवं पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान उम्मीद्वारों को नि:शुल्क भोजन पानी की व्यवस्था करना।
5. प्रदेश के अन्य जिलों के जिला अस्पतालों में श्री साँई महाप्रसादालय की स्थापना करना।

प्रोफेसर अग्रवाल ने संस्थान की ओर से उन सभी को साधुवाद दिया है, जिन्होंने तन-मन-धन से संस्थान को अपना सहयोग किया है तथा उन सभी से प्रार्थना की है जो संस्थान द्वारा भविष्य में प्रारंभ किया जा रहे कार्यो में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करना चाहते हैं।

इस हेतु संपर्क के लिए दूरभाष नंबर 9329007330 एवं 9827464242 उपलब्ध कराया है।

श्री साँई महाप्रसादालय की एक अभिनव पहल

(बुजुर्गो के लिए नि:शुल्क साँई टिफिन योजना)

श्री साँई सृष्टि जन कल्याण संस्थान द्वारा विजयादशमी के पर्व से अपनी नि:शुल्क भोजन सेवा का विस्तार किया । श्री साँई महाप्रसादालय द्वारा अब दुर्ग शहर के जरुरतमंद वृद्धजनों को साँई प्रसाद टिफिन के माध्यम से घर पहुंच कर दिया जायेगा, यह सेवा पूर्णत: नि:शुल्क एवं प्रतिदिन दोनों समय के भोजन के रुप में दी जाएगी । जरुरतमंद वृद्धजन साँई महाप्रसादालय जिला अस्पताल परिसर, दुर्ग में अपना पंजीयन करा सकते हैं । इसकी सेवा शुरुवात की चुकी है ।

विजयादशमी को आयोजित इस कार्यक्रम में विधायक अरुण वोरा , विजय अग्रवाल, राधेश्याम अग्रवाल, आर.के. तिवारी, आर.के. वर्मा, राधेश्याम कीर्तुका एवं प्रो. जी.आर. साहू के साथ कई वरिष्ठ नागरिकगण उपस्थित रहे ।

उक्त कार्यक्रम के संबंध में संस्थान के वित्तीय प्रबंध का दायित्व संभाल रहे प्रो. डी.सी. अग्रवाल जी ने चर्चा के दौरान बताया कि यह संस्थान विगत सात वर्षो से जिला चिकित्सालय परिसर, दुर्ग में मरीजों के परिजनों को प्रतिदिन सुबह चाय-पोहा एवं दोनों समय नि:शुल्क भोजन उपलब्ध करा रहा है । इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा राजनांदगांव जिला अस्पताल एवं दुर्ग शहर में साँई भोजन रथ द्वारा जरुरतमंदों का भोजन उपलब्ध कराने की सेवाएं संचालित की जा रही है ।

प्रो. अग्रवाल ने बताया कि संस्थान के प्रेरणास्रोत एवं मार्गदर्शक मुकेश तिवारी के निर्देशन में श्री साँई बाबा के मोक्ष दिवस विजयादशमी पर संस्थान एक अभिनव मानवीय पहल की है, इसके तहत ऐसे वृद्धजन जो विभिन्न कारणों से अकेले रहते है, भोजन बनाने में अशक्त है या आर्थिक कारणों से अपर्याप्त भोजन मिल रहा हो, ऐसे समस्त बुजुर्गो को उनके निवास पर साँई टिफिन के माध्यम से भोजन पहुँचा कर सेवा की जायेगी । यह भोजन पूर्णत: सात्विक एवं सुपाच्य होगा तथा बुजुर्गो के स्वाद एवं स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए तैयार किया जायेगा । भोजन के अतिरिक्त आवश्यकता होने पर फल एवं दवाइयां भी नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी ।

संस्थान का लक्ष्य इस विजयादशमी को 11 टिफिन से आरंभ कर अगले विजयदशमी तक 111 टिफिन तक पहुँचाने का है । इस सेवा के निर्बाध संचालन हेतु जन सहयोग लिया जायेगा तथा जरुरतमंदों तक पहुँचने के लिए पार्षदों, मितानिनी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नागिरक संघ से जानकारियां प्राप्त की जाएगी । प्रो. अग्रवाल ने बताया कि इस पहल में हमारी प्राथमिकता निर्धन बुजुर्गो की सेवा होगी, संस्थान ने इस सेवा के लिए "जरुरत" को मापदंड बनाया है न कि आर्थिक स्थिति को, अर्थात बिना आर्थिक आधार के जरुरतमंद बुजुर्गो को सांई टिफिन उपलब्ध कराया जायेगा, इस कार्य हेतु साँई सेवा सेवक कपिल जैन को समन्वयक बनाया गया है, वे बुजुर्गो के निवास में जाकर वस्तुस्थिति से अवगत होंगे । इस सेवा का लाभ प्राप्त करने तथा पंजीयन हेतु मोबाईल. नं 9977295324, 9329007330, 9229162611, 9424109163 पर संपर्क किया जा सकता है । ●

मीडिया वॉच

छत्तीसगढ़ आसपास देश की चर्चित प्रतिनिधि मासिक पत्रिका है । जो पत्रकारों के प्रतिनिधि मंच छत्तीसगढ़ के सहयोग से प्रकाशित है । मीडिया वॉच मूलतः कौंसिल का चर्चित स्तंभ है । इस स्तंभ में हम मीडिया वॉच के तहत उन समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं के चुनिंदा लेख प्रकाशन सामग्री अपने छत्तीसगढ़ आसपास में साभार प्रकाशित करते हैं जो समाज को दिशा देने व उनमें चेतना जागरण में सहायक होते हैं । इस बार हम लोक शिक्षक लोक जागरण के उद्देश्य से दैनिक भास्कर, हरि भूमि, पत्रिका, नव भारत , नई दुनिया से प्रकाशन सामग्री साभार प्रकाशित कर रहे हैं ।

प्रस्तुति छत्तीसगढ़ प्रेस कौंसिल छत्तीसगढ़

अशक्त बुजुर्गों के लिए शुरू हुआ सांई भोजन रथ

ऐसे वृद्धजन जो अकेले रहकर भोजन बनाने में असहाय हैं उनके घरों में सांई प्रसाद टिफिन पहुंचेगा

■ हमारे प्रतिनिधि। दुर्ग.

शहर के जिला अस्पताल में संचालित श्री सांई महाप्रसादालय ने विजयादशमी पर्व पर एक अभिनव पहल की शुरूआत की है. ऐसे वृद्धजन जो किन्हीं कारणों से अकेले रहते हैं और वे भोजन बनाने में अशक्त है या आर्थिक कारणों से उन्हें पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा है, इनके लिए घर पहुंच सेवा के तहत टिफिन पहुंचाने का जिम्मा सांई सृष्टि जनकल्याण संस्थान ने उठाया है. जरूरतमंद वृद्धजनों को संस्थान द्वारा निःशुल्क व प्रतिदिन दोनों समय भोजन प्रदान किया जाएगा. पहले दिन 11 टिफिन से इस सेवा की शुरूआत की गई. सांई सेवक व समन्वयक कपिल जैन बुजुर्गों के निवास स्थान पर जाकर वस्तुस्थिति से अवगत होंगे.

बुजुर्ग को भोजन का टिफिन प्रदान कर शुरू किया सांई भोजन रथ सेवा

संस्थान के कर्ताधर्ता व वित्तीय प्रबंध का दायित्व सम्भाल रहे प्रो. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि मार्गदर्शक मुकेश तिवारी के निर्देशन में श्री सांई बाबा के मोक्ष दिवस विजयादशमी पर्व पर संस्थान द्वारा यह मानवीय सेवा प्रारंभ की गई. इस अवसर पर विधायक **अरूण वोरा**, विजय अग्रवाल, **राधेश्याम अग्रवाल**, आर.के. **तिवारी**, **आर.के. वर्मा**, राधेश्याम कीर्तुका, प्रो. **जी.आर.** साहू सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे. वैसे इस संस्थान द्वारा पिछले 7 वर्षों से जिला ■ शेष पेज 6 पर

'जरूरत' को बनाया मापदण्ड- अग्रवाल

संस्थान के वित्तीय प्रबंधक प्रो. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि सांई भोजन रथ के जरिए निर्धन बुजुर्गों को टिफिन की सुविधा दी जाएगी. जिसमें भोजन बुजुर्गों के स्वाद व स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाएगा. जरूरत पड़ने पर उन्हें फल व दवाईयां भी निःशुल्क प्रदान की जाएगी. इस सेवा के लिए 'जरूरत' को मापदण्ड बनाया गया है, न कि आर्थिक स्थिति. प्रो. अग्रवाल ने भविष्य की सेवा कार्यों के विस्तार के बारे में कहा कि जिले में सेना व पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान देश के कोने-कोने से आ हजारों अभ्यर्थियों को निःशुल्क भोजन पानी उपलब्ध कराने की योजना है.

डॉ. अग्रवाल की पहल से जुड़ते जा रहे मदद करने वाले...

श्री साईं सृष्टि संस्थान ने 3 लाख जरूरतमंदों को कराया दोनों वक्त का भोजन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

[illegible]

5 लोगों को भोजन कराके हुई शुरुआत

[illegible]

मदद के लिए लोग बढ़ाते है हाथ

[illegible]

राजनांदगांव में भी शुरू की मदद की पहल

[illegible]

दुर्ग जिला चिकित्सालय परिसर में भोजन करते लोग।

कई हाथ आए [illegible]

[illegible]

गिधवा के लिए तैयार किया था प्रोजेक्ट

[illegible]वासी साइबेरियन पक्षी को आकर्षित करने वन विभाग [illegible] 60 लाख के प्रोजेक्ट का चार साल बाद भी पता नहीं

पत्रिका न्यूज पंच

इस बार ठंड में नहीं आए पक्षी

[illegible]

गिधवा में चार माह रहता है साइबेरियन पक्षी

[illegible]

जाने प्रोजेक्ट को

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]
4. [illegible]

न्यूज विंडो

सर्व ब्राह्मण समाज 7 म[illegible] से मनाएगा परशुराम की [illegible]

[illegible]

अतिथियों एवं राहुल कपूर जैन का अभिनंदन किया गया.

राहुल कपूर जैन ने कहा कि चरण स्पर्श बड़े पैमाने पर विशाल परिवार समूह के लिये आयोजित किया जाता है. इस कार्यक्रम में अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों सहित भारत के विभिन्न

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भी सार्थक प्रासंगिक सिद्ध करने की बेजोड़ कोशिश शामिल है. चरण स्पर्श करते वक्त दिमाग में उत्पन्न होने वाले सूक्ष्म संकेतों का वर्णन भी है इसके फलस्वरूप शरीर के भीतर रसायनिक प्रवाह जिसे हार्मोन्स कहा जाता है

पाठशाला के बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी. जिसमें सी.एम. भूपेष बघेल, मोतीलाल वोरा अतिथि के रूप में कार्यक्रम के हिस्सा बनेंगे. अध्यक्ष टीकम छाजेड़ ने स्वागत भाषण एवं अमृत लोढ़ा ने आभार ज्ञापित किया.

डिग्री के साथ-साथ दूरस्थ शिक्षा के डिप्लोमा अथवा सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहिए, रोजगार प्राप्ति में नियमित डिग्री के साथ-साथ डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम अत्यंत सहायक सिद्ध होते है. इग्नू अध्ययन केन्द्र साइंस कॉलेज

अगली कक्षाओं में प्रवेश आदि प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी. डॉ. शुक्ला से इग्नू परीक्षा प्रणाली में संबंधित अनेक प्रश्न उपस्थित विद्यार्थियों ने पूछे. कार्यक्रम में इग्नू अध्ययन केन्द्र की वरिष्ठ काउंसलर डॉ. सपना शर्मा ने इग्नू पाठ्यक्रमों की महत्ता बताई.

श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में

जिला अस्पताल स्थित श्री सांई महाप्रसादालय के वित्तीय प्रबंधन का जिम्मा संभाले हुए हैं प्रोफेसर अग्रवाल

प्रोफेसर अग्रवाल की सेवाभावी पहल से गरीबों को भर पेट भोजन

■ नवभारत समाचार | दुर्ग.

शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभाने वाले गर्ल्स कॉलेज दुर्ग के प्रोफेसर डॉ. डी.सी. अग्रवाल की नई सोच से गरीबों को भर पेट भोजन प्रदान कर रहा है. प्रोफेसर अग्रवाल की अनुकरणीय पहल से जिला अस्पताल स्थित श्री सांई महाप्रसादालय में रोजाना गरीब व जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क भोजन खिलाया जाता है. पिछले 6 वर्ष से यह सेवा लगातार जारी है. अब तक करीब 3 लाख लोग इस श्री सांई महाप्रसादालय में भोजन ग्रहण कर चुके हैं. प्रसादालय के प्रमुख संस्थापक मुकेश तिवारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यहां सब कुछ सांई बाबा के कृपा से होता है लेकिन बाबा के प्रिय भक्त प्रोफेसर डी.सी. अग्रवाल ने वित्तीय भार उठाकर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है.

संस्थान में जरूरतमंदों को भोजन परोसते प्रोफेसर अग्रवाल.

18 जुलाई 1913 को सांई बाबा के जन्मदिन पर जिला चिकित्सालय परिसर दुर्ग में श्री सांई सृष्टि जनकल्याण संस्थान ने सीमित हाथों व संस्थानों से एक छोटे रूप में प्रसादालय प्रारंभ किया. मानव सेवा के उद्देश्य से जब पहला चूल्हा सांई बाबा के नाम जला, तब केवल 5 लोगों ने भोजन ग्रहण किया था.

संस्थापक के लिए संस्थान सेवा है

संस्थापक मुकेश तिवारी ने बताया कि पिछले 5 वर्षों से प्रोफेसर अग्रवाल तन-मन-धन से जरूरतमंदों के सहयोग के लिए संस्थान से जुड़े हैं. वे केवल सहयोग ही नहीं करते बल्कि अपने जनप्रतिनिधि मित्रों, कॉलेज के प्राध्यापकों, मोहल्ले के बाशिंदों, दुर्ग अग्रवाल समाज सहित कई अन्य समाजसेवियों को इस संस्थान के लिए आर्थिक सहयोग करने प्रोत्साहित भी करते हैं. जिससे संस्थान को लगातार आर्थिक मदद प्राप्त हो रही है.

भविष्य की योजनाएं

प्रोफेसर अग्रवाल ने बताया कि संस्थान द्वारा भविष्य में किए जाने वाले सेवा कार्यों की योजनाएं तैयार की है. जिसमें जरूरतमंद वृद्धजनों के घरों तक निःशुल्क टिफिन पहुंचाना, कुपोषित गर्भवती महिला एवं बच्चों को पौष्टिक आहार देना, मरीजों के लिए निःशुल्क एम्बुलेंस की व्यवस्था करवाना, जिले में सेना व पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों को निःशुल्क भोजन, पानी की व्यवस्था करवाना तथा प्रदेश के अन्य जिलों के जिला अस्पतालों में श्री सांई महाप्रसादालय की स्थापना करना प्रमुख रूप से शामिल है.

संस्थापक मुकेश तिवारी का कहना है कि यहां जिला चिकित्सालय में गांवों से आने वाले गरीब मरीजों व परिजनों को दोनों समय निःशुल्क भोजन कराने की प्रतिबद्धता के साथ संस्थान का उदय हुआ. रोजाना 100 से ज्यादा परिजन दोनों समय भोजन व नाश्ता ग्रहण करते हैं.

...लाइट फ्री ऐप तैयार किया है। इस बीएसएनएल के सहयोग से शहर के कुछ शौचालयों में लगाया गया है। बटन का इस्तेमाल करने पर पता चल जाएगा कि शौचालय गंदा है, लेकिन ऐप ही बंद है।

(कैथालिक) में आत्मिक लाभ के लिए 21 नवंबर से चार दिनी धार्मिक साधना का आयोजन किया गया है। यह 24 नवंबर तक चल... यह जानकारी चरोदा चर्च के पुरोहित फादर जोस फिलिप ने दी।

अग्रवाल समाज के कार्यक्रम में गृहमंत्री ने प्रोफेसर अग्रवाल को किया सम्मानित

बुजुर्गों को घर तक भोजन पहुंचाकर देते हैं प्रोफेसर अग्रवाल

समाज के सहयोग से 400 गरीब छात्राओं की भी मदद की है

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दुर्ग . अग्रवाल समाज के एक कार्यक्रम में प्रो. डीसी अग्रावल को उनकी सामाजिक एवं मानवीय सेवाओं के लिए प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने सम्मानित किया। उन्होंने प्रो. अग्रवाल के सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उनका काम दूसरों के लिए प्रेरणादायी है। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने कहा कि प्रो. डीसी अग्रवाल 20 साल से लगातार समाज का निस्वार्थ भावना से सेवा करते हुए अग्रवाल समाज का गौरव बढ़ाया है।

उन्होंने अग्रवाल समाज व नगर की अन्य जरुरतमंद समाज सेवी संस्थाओं के बीच सेतु का कार्य किया है। एक ओर अग्रवाल समाज को मानव सेवा के कार्यों से जोड़ा है, वहीं दूसरी ओर जरूरतमंद संस्थानों को मदद करने वाले कई हाथों का सहारा मिल गया। उन्होंने कहा कि अब तक शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग की करीब 400 छात्राओं का प्रवेश व परीक्षा शुल्क अग्रवाल समाज द्वारा प्रदान की गई है। हर साल 5 प्रवीण्य छात्रओं को महाराजा अग्रसेन मेरिट अवार्ड से नवाजा जाता है। इस अवार्ड के तहत प्रत्ये छात्रा को प्रतीक चिन्ह, प्रशंसा पत्र और नगर 5100 रुपए की राशि प्रदान की किया जाता है। समाज के महासचिव ललित सक्सेरिया ने प्रो. अग्रवाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अग्रावल समाज दुर्ग को बहुआयामी सेवा संस्थान के रूप में विकसित करने का प्रयास किया है। उन्होंने अग्रवाल समाज के अधिकांश अग्रजनों को साईं प्रसादालय से जोड़कर मानव सेवा को समर्पित संस्थान को सहयोग करने का अवसर उपलब्ध कराया है। साईं प्रसादालय पिछले 6 साल से मरीजों के परिजनों को निशुल्क भोजन उपलब्ध करा रहा है। साईं रथ के माध्यम से जरूरतमंदों को रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मंदिर, मस्जिद के सामने जाकर दोनों समय निशुल्क टिफिन उपलब्ध कराया जा रहा है। विजय अग्रवाल ने प्रो.अग्रवाल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अग्रवाल समाज उनके साथ है और जैसी जरूरत होगी अग्रवाल समाज उनके माध्यम से सहयोग करने के लिए तत्पर है।

प्रोफेसर अग्रवाल ने सेवा का संकल्प दोहराया

प्रो. अग्रवाल ने बताया कि कई सेवा कार्यों में अग्रवासल समाज के अग्रजन मदद कर रहे हैं। समाज के विजय अग्रवाल, रेखचंद अग्रवाल, कमलनारायण रूंगटा, महे... सक्सेरिया, राधेश्याम अग्रवाल, प्रे... अग्रवाल, राधेश्याम कीर्तुका, कैला... रूंगटा, सत्यकाश बंसल, प्रेमन... मित्तल, मुरारीलाल अग्रवा... नत्थूलाल अग्रवाल समेत अ... अग्रजनों के सहयोग से सेवा कार्य बेहतर तरीके से किया जा सका।

...खें

...हा कि वे ...धना किए, ...संभव नहीं ...व अनन्त ...र स्वामी ...ने भजन ...से सुना। ...घोष ने ...मित्रा

...न राजस्व अभिलेख में दर्ज कराने कहा

...98 स्कूलों की होगी मरम्मत

...री डॉ. ...ले में ...गुजर ...बेहतर ...तरह ...रखने ...का ...है। ...जिला ...टक में ...वंटित ...में दर्ज ...मत के ...करने, ...स्कूल ...योजन

प्रशिक्षण परिषद पी. दयानंद, सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल वीके गोयल, विशेष सचिव स्कूल शिक्षा सौरभ कुमार, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के महाप्रबंधक अशोक चतुर्वेदी सहित स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

पदोन्नति से भरे जाएंगे

है। इसके लिए पदोन्नति के नए नियमानुसार रोस्टर का पालन करते हुए डीईओ कार्यवाही की तैयारी कर लें। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने व्याख्याताओं के रिक्त पदों की जानकारी संभागीय जेडी कार्यालय से 30 नवंबर तक मांगी है। इसके

मुख्यमंत्री ने मुहिम को सराहा

ओल्ड नेहरू नगर पार्क में 14 दिसंबर को होगा किंडरजॉय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भिलाई . संस्था राउंड टेबल 14 दिसंबर को ओल्ड नेहरू नगर पार्क में किंडर जॉय फेस्ट कराएगी। इस कार्यक्रम से मिलने वाले अनुदान से कोसा नगर स्तिथ माध्यमिक शाला में पाठशालाओं का निर्माण कार्य कराया जाएगा। इस साल किंडरजॉय ... किताबें, बर्तन आदि उपयोग में आ... वाली वस्तुओं को जिले के गांवों... जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचा... जाएगा। गौरतलब है कि भिल... राउंड टेबल 243 में भिलाई-दुर्ग क्षे... के युवा उद्यमी, शिक्षाविद अ... समाजसेवी प्रमुख रूप से जुड़े हुए... भिलाई राउंड टेबल ने अब त... विभिन्न स्कूलों में 40 लाख ...

2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर शासन के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा बोरसी में स्थित जोन कार्यालय और पटरीपार में आदित्य

इंद्रजीत बर्मन ने बताया शहर की जनता को उनकी समस्या और शिकायतों का निराकरण करने के लिए शासन मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय प्रारंभ

निगम कार्यालय समय निकालकर आते हैं.

उनकी समस्याओं का निराकरण

भवन अनुज्ञा एवं अन्य प्रकार के कार्यों के लिए, अपना आवेदन वे मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय में दे सकते हैं.

ने पंचायत एवं नगरीय निकाय के चुनाव के प्रक्रिया से अवगत कराया. साथ ही छात्र-छात्राएं एवं उनके

श्याम कुंव मौजूद थे.

सम्मान : सामाजिक एवं मानवीय सेवाओं के लिए राज्य के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने किया सम्मान

अग्ररत्न सम्मान से नवाजे गए प्रोफेसर अग्रवाल

◆ नवभारत रिपोर्टर | दुर्ग.
www.navbharat.org

विगत दिनों अग्रवाल समाज के कार्यक्रम में प्रो. डी.सी. अग्रवाल को उनकी सामाजिक एवं मानवीय सेवाओं के लिए राज्य के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने अग्ररत्न सम्मान से सम्मानित किया. इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने बताया कि प्रो. अग्रवाल पिछले 20 वर्षों से लगातार अग्रवाल समाज की निःस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं. इन्होंने अग्रवाल समाज एवं नगर की अन्य जरूरतमंद समाजसेवी संस्थानों के बीच एक पुल का कार्य किया है. विगत वर्षों में शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग की लगभग 400 छात्राओं को प्रवेश शुल्क एवं परीक्षा शुल्क की राशि अग्रवाल समाज द्वारा प्रदान की गई है. प्रतिवर्ष इसी महाविद्यालय की 5 प्रावीण्य छात्राओं को महाराजा अग्रसेन मेरिट अवार्ड से भी नवाजा जाता रहा है. इस अवार्ड के अंतर्गत प्रत्येक छात्रा को प्रतीक चिन्ह, प्रशंसा पत्र एवं नगद 5100 रुपए की राशि प्रदान की जाती रही है.

महासचिव ललित सेक्सरिया ने कहा कि प्रो. अग्रवाल लंबे समय से अग्रवाल समाज दुर्ग को बहुआयामी सेवा संस्थान के रूप में विकसित करने का प्रयास करते रहे हैं. अपने सामाजिक दायरे से बाहर निकल कर अग्रवाल समाज आज नगर के अन्य समाजों एवं संस्थाओं को सहयोग करने के लिए तत्पर है. इस हेतु प्रो. अग्रवाल के प्रयास सराहनीय रहे हैं. इन्होंने अग्रवाल समाज के अधिकांश अग्रजनों को सांई प्रसादालय से जोड़कर मानवीय सेवा को समर्पित एक संस्थान के संचालन में अग्रवाल समाज को सहयोग करने का सुअवसर दिया.

जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन में सहयोग

सांई प्रसादालय पिछले 6 वर्षों से मरीजों के परिजनों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराता रहा है. सांई रथ के माध्यम से भी जरूरतमंदों को रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, मंदिर, मस्जिद के समीप जाकर दोनों समय निःशुल्क भोजन बांटा जा रहा है. हाल ही में नगर के बुजुर्गों को उनके निवास पर निःशुल्क सांई टिफिन के माध्यम से दोनों समय का भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है.

दीगर समाज के लिए भी प्रेरक

अग्ररत्न सम्मान से नवाजे जाने पर गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू एवं विधायक अरूण वोरा ने इन्हें शुभकामनाएं दी और आशा जताई कि प्रो. अग्रवाल एवं अग्रवाल समाज इसी तरह समाज सेवाओं के कार्यों से जुड़े रहकर अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का कार्य करेंगे. समाज के संरक्षक विजय अग्रवाल ने इस अवसर पर प्रो. अग्रवाल को बधाई दी और आश्वस्त किया कि अग्रवाल समाज उनके साथ है और जहां जैसी जरूरत होगी अग्रवाल समाज उनके माध्यम से सहयोग करने को तत्पर रहेगा.

अग्रजनों का भरपूर सहयोग- प्रो. अग्रवाल

प्रो. अग्रवाल ने बताया कि नगर के कई सेवा कार्यों में अग्रवाल समाज के कई अग्रजनों का भरपूर सहयोग प्राप्त होता है. विजय अग्रवाल, रेखचंद अग्रवाल, कमल रूंगटा, महेन्द्र सेक्सरिया, राधेश्याम अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, राधेश्याम कीर्तुका, प्रेमनाथ मित्तल, राधेश्याम गोयल, कैलाश रूंगटा, सत्यप्रकाश बंसल, नत्थुलाल अग्रवाल एवं मुरारी लाल अग्रवाल के प्रयासों से सेवा कार्यों को बेहतर तरीके से पूरा किया जा सका है.